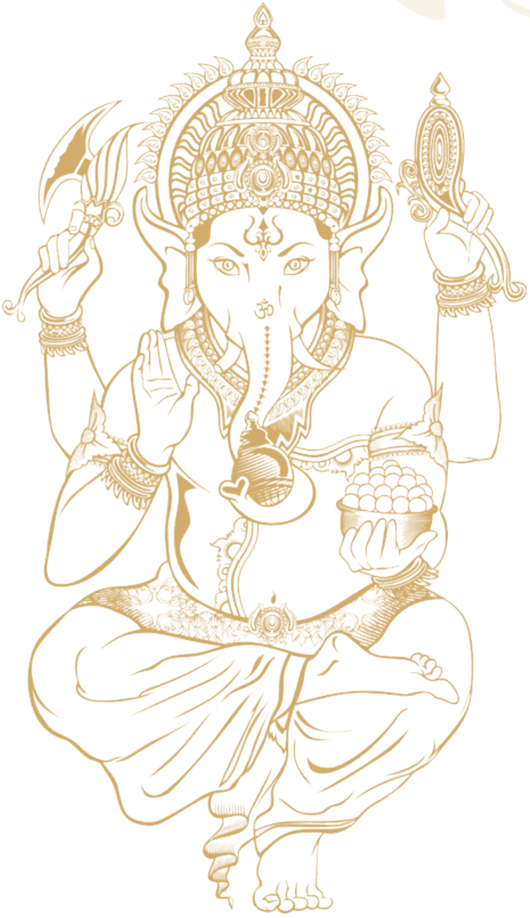

Akshar

Hetvi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121230101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121230101 Date: 10/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/07/2001	जन्म तिथि	14/12/2003
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 13:15:00	जन्म समय	10:37:00 घंटे
घटी 18:01:38	जन्म समय(घटी)	08:32:43 घटी
India	देश	India
Ahmedabad	स्थान	Ahmedabad
23:03:00 उत्तर	अक्षांश	23:03:00 उत्तर
72:40:00 पूर्व	रेखांश	72:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:39:20	स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:02:20	सूर्योदय	07:11:54
19:27:44	सूर्यास्त	17:55:44
23:52:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:31

तुला	लग्न	मकर
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मेष	राशि	कर्क
मंगल	राशि-स्वामी	चन्द्र
अश्विनी	नक्षत्र	आश्लेषा
केतु	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	4
सुकर्मा	योग	वैधृति
तैतिल	करण	तैतिल
चे-चेतन	जन्म नामाक्षर	डो-डौली
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
अश्व	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 8मा 26दि	
शुक्र	
10/04/2006	
10/04/2026	
शुक्र	09/08/2009
सूर्य	09/08/2010
चन्द्र	09/04/2012
मंगल	09/06/2013
राहु	09/06/2016
गुरु	08/02/2019
शनि	10/04/2022
बुध	08/02/2025
केतु	10/04/2026

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
04:35:32	तुला	लग्न	मक	17:55:21
28:03:50	मिथु	सूर्य	वृश्चि	27:51:56
04:18:28	मेष	चंद्र	कर्क	27:36:17
21:27:28	वृश्चि व	मंगल	मीन	04:44:29
07:48:25	मिथु	बुध	धनु	17:40:28
06:25:09	मिथु	गुरु	सिंह	24:18:42
15:35:17	वृष	शुक्र	धनु	27:22:03
16:34:51	वृष	शनि व	मिथु	17:16:08
12:21:56	मिथु	राहु व	मेष	26:04:06
12:21:56	धनु	केतु व	तुला	26:04:06
00:11:02	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	05:31:22
13:56:21	मक व	नेप	मक	17:14:10
19:04:42	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	25:55:23

विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 0मा 19दि	
शुक्र	
02/01/2014	
02/01/2034	
शुक्र	04/05/2017
सूर्य	04/05/2018
चन्द्र	03/01/2020
मंगल	04/03/2021
राहु	04/03/2024
गुरु	03/11/2026
शनि	02/01/2030
बुध	02/11/2032
केतु	02/01/2034

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:52:26 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:31

लग्न-चलित

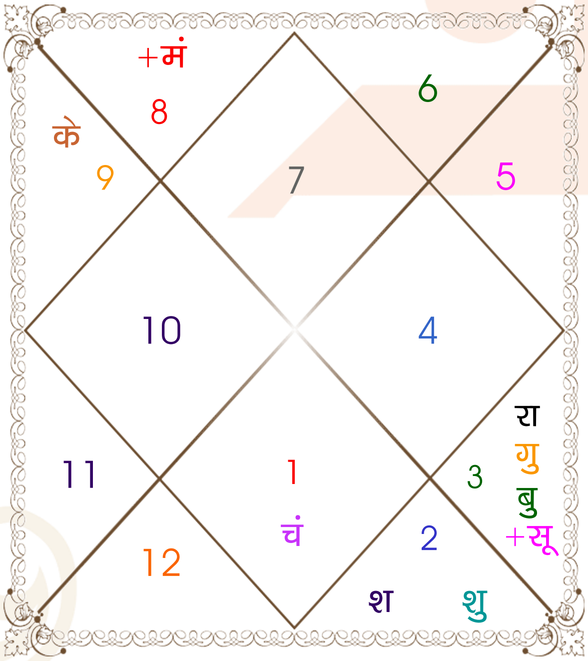

लग्न-चलित

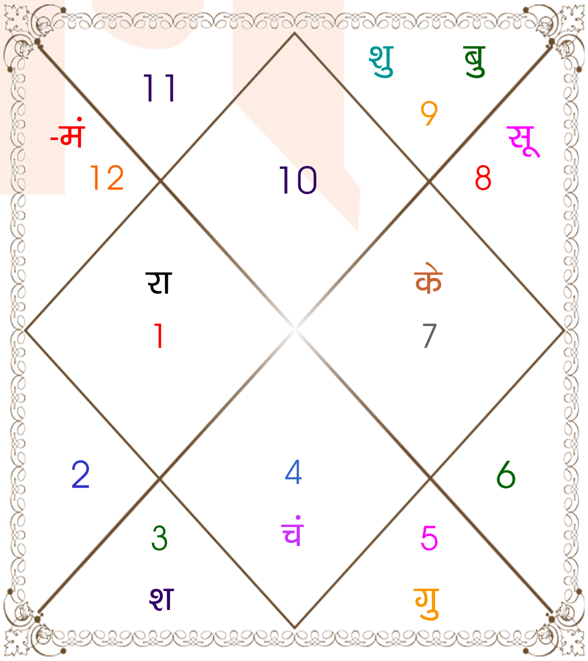

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

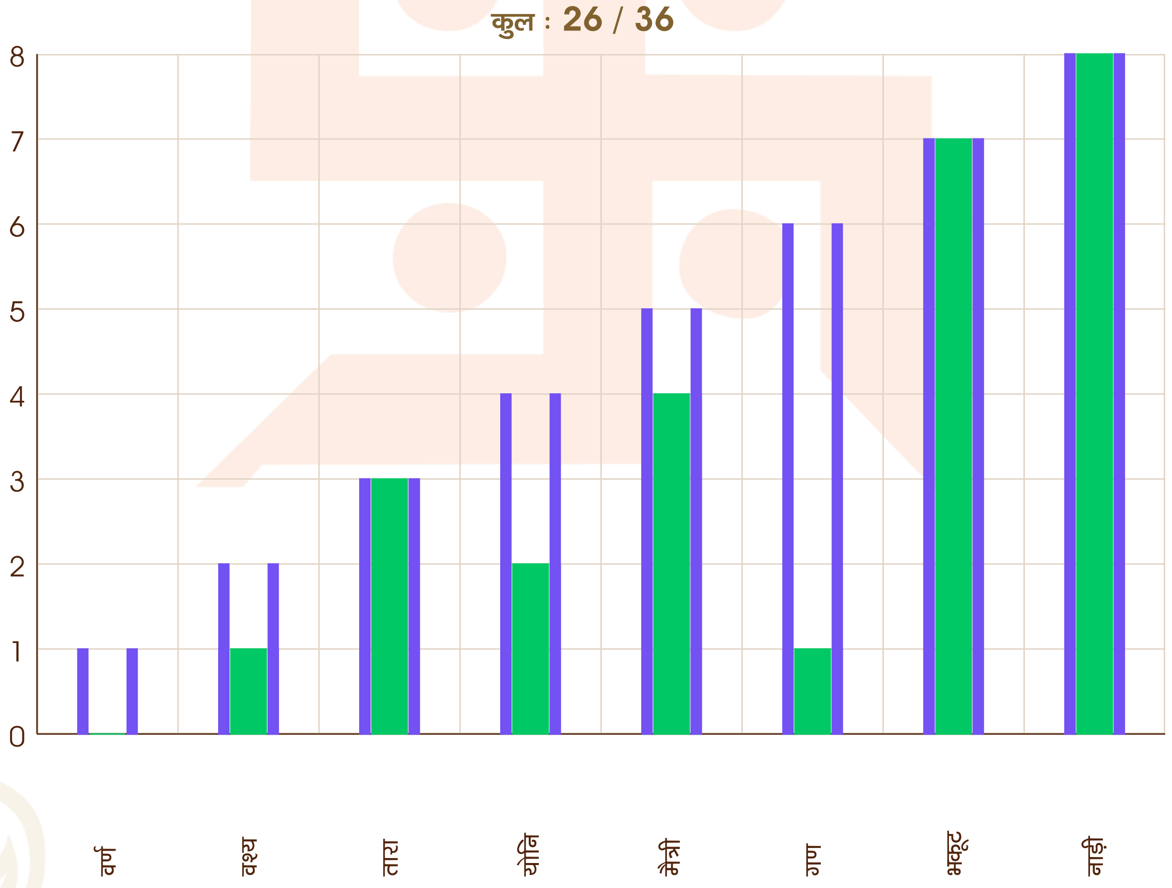

अष्टकूट मिलान

Akshar का वर्ग सिंह है तथा Hetvi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akshar और Hetvi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Akshar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Hetvi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Akshar तथा Hetvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Akshar का वर्ण क्षत्रिय तथा Hetvi का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Hetvi हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Akshar एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

Akshar का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Hetvi का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Akshar एवं Hetvi दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Akshar एवं Hetvi दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Akshar की तारा सम्पत तथा Hetvi की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Akshar एवं Hetvi दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Hetvi एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Akshar की योनि अश्व है तथा Hetvi की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Akshar का राशि स्वामी Hetvi के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Hetvi का राशि स्वामी Akshar के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Akshar का गण देव तथा Hetvi का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Hetvi निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Hetvi की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Akshar से Hetvi की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Hetvi से Akshar की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Akshar परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Hetvi घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के

सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Akshar की नाड़ी आद्य है तथा Hetvi की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Akshar की आद्य नाड़ी तथा Hetvi की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Akshar की जन्मराशि मेष तथा Hetvi की जन्मराशि कर्क है। कर्क राशि जलतत्व एवं मेषराशि अग्नितत्व युक्त है तथा अग्नि एवं जल के मध्य नैसर्गिक रूप से असमता का भाव अधिक होता है। अतः आप दोनों के मध्य असमानताएं अधिक रहेंगी। साथ ही Akshar और Hetvi में परस्पर भय का वातावरण रहेगा परन्तु समयानुकूल सम्मान के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। यही सम्मान एवं समानता का भाव इनको मधुर क्षण उपलब्ध कराएगा।

Akshar और Hetvi के राशि स्वामियों की स्थिति परस्पर मित्र है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी। यद्यपि Hetvi बाहयरूप से मृदु एवं कोमल होगी परन्तु आंतरिक मन से वह सुदृढ रहेंगी तथा भावनाओं से लड़ने में सफल होगी तथा अपने प्रेमी के लिए बड़ा से बड़ा त्याग करने के लिए तत्पर रहेगी परन्तु Akshar एक व्यावहारिक व्यक्ति होने के कारण उनकी इन भावनाओं को विशेष महत्व नही देंगे लेकिन Hetvi उनके स्वार्थ एवं बचपने को समझकर उनसे सामंजस्य स्थापित करने मे समर्थ रहेंगी।

Akshar और Hetvi की राशियां परस्पर 4-10 भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनका सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा तथा आर्थिक एवं भौतिक रूप से भी सम्पन्न रहेंगे। यद्यपि Akshar की प्रवृति निराशावादी रहेगी परन्तु Hetvi अपने प्रबल आशावाद से अप्रिय क्षणों को दूर करके किंचित सुखद क्षणों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगी।

Akshar का वश्य चतुष्पाद तथा Hetvi का वश्य जलचर है। इसके प्रभाव से इनका दाम्पत्य जीवन आदर्श एवं उत्साह से पूर्ण रहेगा तथा Akshar, Hetvi की कामभावनाओं का आदर करते हुए उन्हें पूर्ण रूप से प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Hetvi का वर्ण ब्राहमण तथा Akshar का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं एवं क्षेत्रों में भिन्नता रहेगी। Akshar जहाँ उत्साही पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने मे रूचिशील रहेंगे वहां Hetvi अध्ययन अध्यापन शास्त्रीय या अन्य सत्कार्यो को करने में रूचिशील होंगी परन्तु इससे दाम्पत्य जीवन की शुभता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

धन

Akshar की तारा सम्पत तथा Hetvi की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Akshar सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Hetvi के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Akshar और Hetvi को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Hetvi का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Akshar की नाड़ी आद्य तथा Hetvi की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Akshar और Hetvi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Akshar और Hetvi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Hetvi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Hetvi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Hetvi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Akshar और Hetvi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Akshar और Hetvi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Hetvi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Hetvi के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Hetvi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Hetvi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Akshar की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Akshar सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Akshar का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Akshar के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Akshar भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Akshar के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।